महाराष्ट्र में BJP नेता ने शुगर इंडस्ट्री पर उठाए सवाल

[ईटी ब्यूरो |पुणे]

महाराष्ट्र में सत्ता में बैठी बीजेपी के एक नेता ने कहा है कि राज्य में गन्ने का प्लांटेशन एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट के आंकड़े से कहीं ज्यादा है। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारियों से गन्ने और शुगर इंडस्ट्री के बारे में फिर से सोचने की जरूरत है क्योंकि इसमें भारी मात्रा में पानी की जरूरत होती है। बीजेपी के महाराष्ट्र के मुख्य प्रवक्ता माधव भंडारी ने कहा, 'महाराष्ट्र में एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट के आंकड़े से करीब 7-10 पर्सेंट ज्यादा गन्ना हो सकता है। शुगर इंडस्ट्री को पानी की भारी जरूरत होती है और कई बार यह चुराया गया होता है।' वह महाराष्ट्र की चिकोत्रा रिवर बेसिन में पानी के बराबर वितरण को लेकर चालू हुए पायलट प्रॉजेक्ट के लिए आयोजित कार्यक्रम के बाद ईटी से बात कर रहे थे। भंडारी की टिप्पणी ऐसे वक्त पर आई है जबकि शुगर इंडस्ट्री बीजेपी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार की ओर से सहायता मिलने में मुश्किलों का सामना करने की बात कर रही है। उन्होंने कहा कि गन्ने की पौध के लिए जाने वाला अतिरिक्त पानी अन्य फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा, 'राज्य में पानी की कमी है। हम टैंकरों से गांवों में पानी सप्लाई कर रहे हैं। लेकिन टैंकरों के बगल में गन्ने की फसल खड़ी होती है। हमेशा से सूखे की काफी संभावना वाले सोलापुर जिले में सबसे ज्यादा शुगर मिलें हैं। यह मिथक है कि शुगर इंडस्ट्री से काफी फायदा हो रहा है। शुगर इंडस्ट्री में बड़ी मात्रा में सरकारी पैसा लगा हुआ है और ये किसानों को उनका पैसा चुकाने में डिफॉल्ट कर रही है।